

दानियेल की पुस्तक - संख्या सत्रह

भविष्यसूचक संबंध: नबूकदनेस्सर की सोने की मूर्ति और रविवार का कानून

Jeff Pippenger

2023-12-12

सिस्टर व्हाइट अक्सर दूरा के मैदान पर स्थित स्वर्णमूर्ति को रविवार के कानून के रूप में पहचानती हैं।

"एक मूर्तिपूजक विश्रामदिन स्थापित कर दिया गया है, जैसे दूरा के मैदान में सोने की मूर्ति खड़ी की गई थी। और जैसे बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर ने एक फरमान जारी किया था कि जो कोई इस मूर्ति के आगे झुककर उसकी आराधना नहीं करेगा, उसे मार डाला जाए, वैसे ही एक घोषणा की जाएगी कि जो रविवार की संस्था का आदर नहीं करेंगे, उन्हें कैद और मृत्यु की सज़ा दी जाएगी। इस प्रकार प्रभु के विश्रामदिन को पैरों तले रौंदा जाता है। परन्तु प्रभु ने घोषित किया है, 'हाय उन पर जो अन्यायी आदेश जारी करते हैं, और वे पीड़ादायक बातें लिखते हैं जिन्हें उन्होंने निर्धारित किया है' [यशायाह 10:1]। [सपन्याह 1:14-18; 2:1-3, उद्धृत.]" मैन्यूस्क्रिप्ट रिलीज़ेस, खंड 14, 91.

इस विशेष अनुच्छेद में बहन व्हाइट सपन्याह की पुस्तक का उल्लेख करती हैं, और ऐसा करते हुए वह दानियेल के अध्याय दो और अध्याय तीन के भविष्यवाणीगत संबंध में और जोड़ देती हैं। सपन्याह यह बताता है कि आदेश जारी होने से पहले परमेश्वर की प्रजा को एकत्र होना है। वह तुरही के संदेश की भी पहचान करता है, जो चेतावनी के संदेश का प्रतीक है और जो नगरों (राज्यों) तथा मीनारों (कलीसियाओं) के विरुद्ध निर्देशित है। वह एक एकत्रीकरण की भी पहचान करता है, जो 'सात काल' का एक तत्त्व है, और जो तब घटित होता है जब लैव्यव्यवस्था अध्याय 26 की प्रार्थना की जाती है। वह एक 'अवांछित राष्ट्र' की पहचान भी करता है, और साथ ही परमेश्वर के कार्यकारी न्याय के आगमन पर बल देता है, जो रविवार के कानून से आरम्भ होता है और मसीह के दूसरे आगमन तक क्रमशः तीव्र होता जाता है।

रविवार के कानून के फ़रमान से पहले, पशु की प्रतिमा का गठन होता है। पशु की प्रतिमा का गठन एक दृश्य परीक्षा है, जो परमेश्वर के लोगों में से उन पर आती है जिन्होंने पहले ही आहार-संबंधी परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। उस फ़रमान से पहले—जो तीसरी (लिटमस) परीक्षा है—परमेश्वर के लोग, जिन्हें सपन्याह 'वांछित नहीं किया गया राष्ट्र' कहता है, एकत्र होने के लिए बुलाए जाते हैं। यहजेकेल की पहली भविष्यवाणी एकत्र होने का संदेश है, परन्तु यह केवल उन्हीं के लिए पूरा होता है जो अपनी तितर-बितर स्थिति को पहचानते हैं और लैव्यव्यवस्था छब्बीस की प्रार्थना करते हैं, जैसा दानीएल ने अध्याय नौ में किया था।

प्रभु का महान दिन निकट है, हाँ, निकट है और बड़े वेग से आता है; प्रभु के दिन की ध्वनि सुनाई देती है—वहाँ पराक्रमी भी कड़वे स्वर से विलाप करेगा। वह दिन क्रोध का दिन है, संकट और क्लेश का दिन, उजाड़ और विनाश का दिन, अंधकार और उदासी का दिन, बादलों और घोर अँधियारे का दिन, नरसिंगे और युद्ध-घोष का दिन, गढ़वाले नगरों के विरुद्ध और ऊँची मीनारों के विरुद्ध। और मैं मनुष्यों पर संकट लाऊँगा कि वे अंधों की तरह चलेंगे, क्योंकि उन्होंने प्रभु के विरुद्ध पाप किया है; उनका लहू धूल की तरह उंडेला जाएगा, और उनका मांस गोबर के समान होगा। प्रभु के क्रोध के दिन न उनका चाँदी और न उनका सोना उन्हें छुड़ा सकेगा; परन्तु उसकी ईर्ष्या की आग से सारा देश भस्म हो जाएगा; क्योंकि वह देश में बसनेवालों सबका शीघ्र संहार कर देगा। इकट्ठे हो जाओ, हाँ, इकट्ठे हो जाओ, हे न चाही गई जाति; निर्णय प्रकट होने से पहले, दिन भूसी की तरह उड़ जाए इससे पहले, प्रभु का प्रचण्ड क्रोध तुम पर आए उससे पहले, प्रभु के क्रोध का दिन तुम पर आए उससे पहले। हे पृथ्वी के सब नम्र लोग, जो उसके न्याय का पालन करते हो, प्रभु को खोजो; धर्म को खोजो, नम्रता को खोजो; सम्भव है कि तुम प्रभु के क्रोध के दिन छिपाए जाओ। सपन्याह 1:14-2:3.

शास्त्रों में "पराक्रमी पुरुष" एक शक्तिशाली व्यक्ति होता है, और "पराक्रमी पुरुष" का पहला उल्लेख गिदोन का है।

और यहोवा का एक दूत आया, और ओफ्रा में, जो अबिजरी योआश का था, एक बलूत के पेड़ के नीचे बैठ गया; और उसका पुत्र गिदोन दाखरस के कुंड के पास गहूँ कूट रहा था, ताकि उसे मिद्यानियों से छिपाए। तब यहोवा का दूत उसे दिखाई दिया और उससे कहा, “यहोवा तेरे साथ है, हे पराक्रमी शूरवीर।” गिदोन ने उससे कहा, “हे मेरे प्रभु, यदि यहोवा हमारे साथ है, तो फिर यह सब हम पर क्यों बीता है? और उसके वे सब आश्चर्यकर्म कहाँ हैं जिनकी चर्चा हमारे पितरों ने हमें की थी, यह कहते हुए, ‘क्या यहोवा हमें मिस्र से निकालकर नहीं लाया?’ पर अब यहोवा ने हमें त्याग दिया है और हमें मिद्यानियों के हाथ सौंप दिया है।” तब यहोवा ने उसकी ओर दृष्टि करके कहा, “जा, अपनी इसी शक्ति के बल पर, और तू मिद्यानियों के हाथ से इस्राएल को बचा लेगा; क्या मैंने तुझे नहीं भेजा?” उसने उससे कहा, “हे मेरे प्रभु, मैं किस प्रकार इस्राएल को बचाऊँ? देख, मेरा कुल मनश्शे में सबसे निर्धन है, और मैं अपने पिता के घर में सबसे छोटा हूँ।” तब यहोवा ने उससे कहा, “निश्चय मैं तेरे साथ रहूँगा, और तू मिद्यानियों को ऐसे मार डालेगा जैसे एक ही मनुष्य को।” न्यायियों 6:11-16.

सपन्याह में वह पराक्रमी पुरुष, जो गिदोन भी है, को कटु स्वर में पुकारना है। ‘पुकार’ शब्द अंतिम दिनों की ‘आधी रात की पुकार’ का प्रतीक है, और ‘कटु’ शब्द धर्मी आक्रोश को दर्शाता है। गिदोन, या सपन्याह का ‘पराक्रमी पुरुष’, उस एलिय्याह-संदेश का प्रतीक है जिस पर परमेश्वर की प्रजा को उनके पाप, और निश्चय ही उनके पितरों के पाप भी, दिखाने की ज़िम्मेदारी है।

उच्च स्वर से पुकार, तनिक भी न रुक; अपनी वाणी को नरसिंगे के समान ऊँचा कर, और मेरे लोगों को उनके अपराधों से, तथा याकूब के घराने को उनके पापों से अवगत करा। यशायाह 58:1

अन्तिम दिनों में सब नबी एक-दूसरे से मेल खाते हैं, इसलिए यशायाह की तुरही का संदेश सपन्याह के पराक्रमी की ‘पुकार’ भी है, जो गिदोन है, और वे सब अन्तिम दिनों में एलिय्याह संदेशवाहक और उसके कार्य की पहचान करते हैं। यशायाह में निम्नलिखित पद उनके पापों को धृष्टता के रूप में चिन्हित करते हैं, क्योंकि वे मानते हैं कि वे वास्तव में प्रभु की आराधना और सेवा कर रहे हैं।

फिर भी वे प्रतिदिन मेरी खोज करते हैं, और मेरे मार्गों को जानने में प्रसन्न होते हैं, जैसे कोई राष्ट्र जिसने धर्म किया हो और अपने परमेश्वर की विधि को न छोड़ा हो; वे मुझसे न्याय की विधियाँ पूछते हैं; वे परमेश्वर के समीप आने में आनंद मानते हैं। यशायाह 58:2.

बलवान पुरुष का कटु विलाप ही आधी रात की पुकार का संदेश है, जिसमें यह प्रकटीकरण शामिल है कि 18 जुलाई, 2020 प्रभु के विरुद्ध किया गया एक धृष्ट पाप था, जिसका पश्चाताप और अंगीकार किया जाना आवश्यक है। आधी रात की पुकार के संदेश का मूल सार है: पशु की प्रतिमा का निर्माण, और उसके पश्चात इस्लाम द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका पर, और फिर संसार पर, लाया गया न्याय।

जब लैव्यव्यवस्था अध्याय छब्बीस की प्रार्थना, प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह में उल्लिखित साढ़े तीन दिनों के वनवास के अंत में, पूरी हो जाएगी, तब कीमती और निकृष्ट को अलग कर दिया जाएगा। बुद्धिमान और मूर्खों के पास या तो स्वर्ण तेल होगा या नहीं होगा, और उस समय वे गिदोन के “एक पुरुष” के समान होंगे। सपन्याह के अनुसार, रविवार के कानून के फरमान से पहले, गिदोन—जो एलिय्याह है, जो यहजेकेल है, जो वह पराक्रमी पुरुष है—मध्यरात्रि की पुकार का संदेश प्रस्तुत करेगा; साथ ही उस कड़वाहट के साथ कि परमेश्वर की प्रजा को दिखाया जाए कि उन्होंने 18 जुलाई, 2020 की भविष्यवाणी में भाग लेकर पाप किया, और उसके पूरी तरह विफल हो जाने के बाद अपनी उस भविष्यवाणी को सही सिद्ध करने के उनके निराधार प्रयास को भी।

सपन्याह अंतिम दिनों में परमेश्वर की प्रजा के एकत्र होने का उल्लेख करता है, जो रविवार के कानून के फरमान से पहले होगा। यह एकत्र होना यहजेकेल की पहली भविष्यवाणी (अध्याय सैंतीस) में भी दर्शाया गया है।

तब मैंने जैसा मुझे आज्ञा दी गई थी वैसा ही भविष्यवाणी की; और जब मैं भविष्यवाणी कर रहा था, तो एक ध्वनि हुई, और देखो, एक कंपनी; और हड्डियाँ आपस में मिल गईं, हड्डी अपनी-अपनी हड्डी से मिल गई। और जब

मैंने देखा, तो क्या देखा कि उन पर स्नायु और मांस चढ़ आए, और ऊपर से चाम ने उन्हें ढक लिया; परन्तु उनमें श्वास नहीं थी। यहजेकल 37:7, 8।

यहजेकल ने उन सूखी हड्डियों के विषय में भविष्यवाणी की, जो प्रकाशितवाक्य के ग्यारहवें अध्याय के उस नगर की सड़क पर मरी पड़ी थीं, जहाँ हमारे प्रभु को भी क्रूस पर चढ़ाया गया था। सबसे पहले वे एकत्रित की जाती हैं।

और उनकी लाशें उस बड़े नगर की सड़क पर पड़ी रहेंगी, जिसे आध्यात्मिक रूप से सदोम और मिस्र कहा जाता है, जहाँ हमारे प्रभु को भी क्रूस पर चढ़ाया गया था। और लोगों, कुलों, भाषाओं और जातियों के लोग साढ़े तीन दिन तक उनके शवों को देखते रहेंगे, और उनकी लाशों को कब्रों में रखे जाने की अनुमति नहीं देंगे। और पृथ्वी पर रहने वाले उनके विषय में आनन्द करेंगे, हर्ष मनाएँगे और एक-दूसरे को उपहार भेजेंगे; क्योंकि इन दो भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर रहने वालों को सताया था। प्रकाशितवाक्य 11:8-10.

जैसे ही साढ़े तीन दिन समाप्ति की ओर आते हैं, वे एकत्र किए जाते हैं। ये साढ़े तीन दिन मत्ती अध्याय पच्चीस के प्रतीक्षा-काल का प्रतिनिधित्व करते हैं, परन्तु यह लैव्यव्यवस्था अध्याय छब्बीस के "सात बार" के तितर-बितर होने को भी दर्शाते हैं। जो एकत्र किए जाते हैं वे पहले तितर-बितर किए जा चुके थे, और सपन्याह उन्हें "अवांछित जाति" के रूप में पहचानता है। यह अवांछित जाति वे हैं जो तब सड़कों पर मरे पड़े थे जब संसार उनकी मृत देहों पर आनंद मना रहा था, परन्तु जो एकत्र किए जाते हैं और फिर वह जाति बन जाते हैं जो अंतिम दिनों की अजगर-शक्ति के हमले का लक्ष्य होती है; वही शक्ति सूर की वेश्या को अपने प्रधान के रूप में ऊँचा उठाती है।

आसाफ का गीत या भजन। हे परमेश्वर, मौन न रह; शांत न रह, और स्थिर न रह, हे परमेश्वर। क्योंकि देख, तेरे शत्रु कोलाहल मचा रहे हैं; और जो तुझ से बैर रखते हैं, उन्होंने सिर उठा लिया है। वे तेरे लोगों के विरुद्ध कपटपूर्ण परामर्श करते हैं, और तेरे छिपे हुए जनों के विरोध में विचार-विमर्श करते हैं। वे कहते हैं, आओ, हम उन्हें एक राष्ट्र के रूप में मिटा दें, ताकि इस्राएल का नाम फिर स्मरण में न रहे। क्योंकि उन्होंने एक मन होकर परामर्श किया है; वे तेरे विरुद्ध संधि कर चुके हैं। भजन संहिता 83:1-5.

उनका इरादा अंतिम दिनों के आध्यात्मिक इस्राएल को पकड़कर उन्हें नबूकदनेस्सर की धधकती भट्टी में फेंकने का है। जब मृत हड्डियाँ पहली बार यशायाह की "आवाज़" सुनती हैं, जो "मध्यरात्रि की पुकार" का संदेश घोषित करती है, तब वे अब भी साढ़े तीन दिनों की मरुभूमि में होती हैं। तब उन्हें यह चुनना पड़ता है कि वे उस सांत्वनकर्ता को ग्रहण करें या अस्वीकार करें, जिसे मसीह ने भेजने का वादा किया था, जो उन्हें 18 जुलाई, 2020 के उनके पाप के लिए दोषी ठहराता है।

सांत्वना दो, सांत्वना दो मेरी प्रजा को, तुम्हारा परमेश्वर कहता है। येरूशलेम से कोमलता से बोलो, और उससे पुकारकर कहो कि उसका संघर्ष समाप्त हो गया है, उसका अधर्म क्षमा किया गया है; क्योंकि उसने अपने सब पापों के लिए प्रभु के हाथ से दुगुना भोग लिया है। जंगल में पुकारने वाले की आवाज़: प्रभु का मार्ग तैयार करो, हमारे परमेश्वर के लिए मरुभूमि में एक राजमार्ग सीधा करो। हर घाटी ऊँची की जाएगी, और हर पहाड़ और टीला नीचा किया जाएगा; टेढ़े-मेढ़े सीधे किए जाएंगे, और ऊबड़-खाबड़ स्थान समतल किए जाएंगे। और प्रभु की महिमा प्रगट होगी, और सब प्राणी एक साथ उसे देखेंगे; क्योंकि यह प्रभु के मुख ने कहा है। यशायाह 40:1-5.

मरुस्थल में पुकारने वाली आवाज़ के कार्य की पहचान करने वाला खंड कुछ बहुत विस्तृत जानकारी देता है। उसका संदेश मसीह के स्वभाव के एक प्रकटीकरण पर आधारित होगा, जैसा कि इस तथ्य से संकेतित है कि "महिमा"—जो मसीह का स्वभाव है—प्रकट की जाएगी। अनुग्रह-काल के समाप्त होने के ठीक पहले जो "यीशु मसीह का प्रकाशन" खोला जाता है, वह वास्तव में मसीह के स्वभाव की मुहर खुलना है, अर्थात् उसके स्वभाव के उस तत्व का, जिसे "अल्फा और ओमेगा" के रूप में दर्शाया गया है। यह भी प्रकट होगा कि उनका स्वभाव "सत्य" है।

एक और विवरण यह है कि जब वह स्वर पुकारना शुरू करता है, तब वह अभी भी साढ़े तीन दिनों के मरुस्थल में होता है, क्योंकि वह मरुस्थल में ही पुकार रहा होता है। भविष्यवाणी के अनुसार जब उसका कार्य आरम्भ होता है, तो

दो गवाह अभी भी यहजेकेल की घाटी से होकर गुजरने वाली सड़क पर मरे पड़े होते हैं। एक और विशिष्ट तथ्य यह है कि जब वह स्वर अपना कार्य आरम्भ करता है, तो समूचे संसार को उस संदेश तक पहुँच होगी। एक और अवलोकन यह है कि यह संदेश अंतिम दिनों के उस काल में दिया जाता है जब मसीह एक लाख चवालीस हजार के पाप मिटा रहे हैं, क्योंकि उनकी अधर्मता क्षमा की जा चुकी है। दुःखद तथ्य, जो "पंक्ति पर पंक्ति" भी प्रकट किया गया है, यह है कि सुसमाचार की आवश्यकताओं को जो पूरा करते हैं, केवल वही उस क्षमा को प्राप्त करेंगे जो उस इतिहास में सम्पन्न हो रही है।

केवल वे ही, जो लैव्यव्यवस्था अध्याय 26 की प्रार्थना से जुड़ी मांगों का प्रत्युत्तर देते हैं, उन्हीं के पाप और उनके पिता के पाप मिटा दिए जाएंगे, क्योंकि उन्हें "उसके सारे पापों के लिए दोगुना" मिला होगा। प्रभु का "हाथ", जो उनके पापों और उनके पितरों के पापों से जुड़ा है, पहली निराशा का प्रतीक है, जहाँ प्रभु ने उस भूल पर अपना हाथ रखा जिसने पहली निराशा उत्पन्न की। मिलेराइट इतिहास में उसके हाथ ने परमेश्वर की प्रजा को एक छिपे हुए सत्य को देखने से रोका। उस इतिहास में उसका हाथ उसके दिव्य प्रबंध का प्रतिनिधित्व करता था। अंतिम दिनों में उसका हाथ परमेश्वर की प्रजा द्वारा प्रकट हुए सत्य के अस्वीकार का प्रतिनिधित्व करता है, और तब उसका हाथ उसके दिव्य न्याय का प्रतिनिधित्व करता है।

यहजेकेल की पहली भविष्यवाणी के वचन से मृतक आपस में जुड़ तो जाते हैं, परन्तु अभी एक शक्तिशाली सेना की तरह खड़े नहीं होते। यहजेकेल अध्याय सैंतीस की दूसरी भविष्यवाणी, चारों पवनों से आने वाली श्वास लाकर यह कार्य पूरा करती है।

तब उसने मुझसे कहा, पवन के विषय में भविष्यवाणी कर; भविष्यवाणी कर, हे मनुष्य का पुत्र, और पवन से कह, 'प्रभु यहोवा यों कहता है: हे श्वास, चारों पवनों से आ, और इन मारे गए लोगों पर श्वास फूँक, ताकि वे जीवित हो जाएँ।' सो मैंने वैसा ही भविष्यवाणी की जैसा उसने मुझे आज्ञा दी, और श्वास उनमें आ गई, और वे जीवित हुए, और अपने पैरों पर खड़े हो गए—एक अत्यन्त बड़ी सेना। फिर उसने मुझसे कहा, 'हे मनुष्य का पुत्र, ये हड्डियाँ इस्राएल के सारे घराने हैं; देख, वे कहते हैं, "हमारी हड्डियाँ सूख गई हैं, और हमारी आशा खो गई है; हम सर्वथा काटे गए हैं।" इस कारण भविष्यवाणी कर और उनसे कह, 'प्रभु यहोवा यों कहता है: देखो, हे मेरे लोगों, मैं तुम्हारी कब्रें खोलूँगा और तुम्हें तुम्हारी कब्रों में से निकाल लाऊँगा, और तुम्हें इस्राएल के देश में ले आऊँगा। और जब मैं, हे मेरे लोगों, तुम्हारी कब्रें खोलूँगा और तुम्हें तुम्हारी कब्रों में से ऊपर निकाल लाऊँगा, तब तुम जानोगे कि मैं यहोवा हूँ। और मैं अपनी आत्मा तुम में डाल दूँगा, और तुम जीवित हो जाओगे, और मैं तुम्हें तुम्हारे अपने देश में बसाऊँगा; तब तुम जानोगे कि मैं, यहोवा, ने यह कहा है और उसे पूरा किया है,' यहोवा की यह वाणी है। यहजेकेल 37:9-14.

यहजेकेल की भविष्यवाणी का वह श्वास मुद्रांकन का संदेश है, क्योंकि वह चारों पवनों से आता है।

और इन बातों के पश्चात् मैंने पृथ्वी के चारों कोनों पर खड़े चार स्वर्गदूतों को देखा, जो पृथ्वी की चारों पवनों को रोके हुए थे, ताकि पवन न तो पृथ्वी पर बहे, न समुद्र पर, और न किसी वृक्ष पर। और मैंने एक और स्वर्गदूत को पूर्व दिशा से आता हुआ देखा, जिसके पास जीवित परमेश्वर की मुहर थी; और उसने उन चारों स्वर्गदूतों से, जिन्हें पृथ्वी और समुद्र को हानि पहुँचाने का अधिकार दिया गया था, उच्च स्वर से पुकारकर कहा: "जब तक हम अपने परमेश्वर के दासों के ललाटों पर मुहर न लगा दें, तब तक न पृथ्वी को, न समुद्र को, और न वृक्षों को हानि पहुँचाओ।" प्रकाशितवाक्य 7:1-3.

चारों हवाएँ पूर्व से उठती हैं, और भविष्यवाणी की दृष्टि से, इस्लाम 'पूर्व की हवा' भी है और 'पूर्व के पुत्र' भी। यहजेकेल का 'श्वास', जो गठित शरीरों को 'एक महान और अत्यंत बड़ी सेना' में बदल देता है, वह संदेश है जो एक लाख चवालीस हजार पर मुहर लगाता है। प्रकाशितवाक्य अध्याय सात का मुहर लगाने वाला संदेश पूर्व से उठता है। वह संदेश मध्यरात्रि की पुकार का संदेश है, और सपन्याह उसे तुरही की 'किलाबंद नगरों के विरुद्ध, और ऊँची मीनारों के विरुद्ध' चेतावनी के रूप में पहचानता है।

एक मीनार गिरजाघर का प्रतीक है।

दृष्टान्त में गृहस्वामी परमेश्वर का प्रतीक था; दाख की बारी यहूदी राष्ट्र का प्रतीक थी; और बाइ उस दिव्य व्यवस्था का प्रतीक थी, जो उनकी सुरक्षा थी। मीनार मंदिर का प्रतीक थी। *The Desire of Ages*, 597.

बाइबल की भविष्यवाणी में एक नगर एक राज्य होता है। पोपतंत्र "बाबुल", "वह महान नगर" है। फ्रांस और उसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका "सदोम और मिस्र" का "वह महान नगर" हैं। यरूशलेम "वह महान नगर" है, जो स्वर्ग से नीचे उतरता है। सपन्याह का संदेश नगरों और मीनारों के विरुद्ध है, या कलीसिया और राज्य के संयोजन के विरुद्ध, जो परिभाषानुसार पशु की प्रतिमा है। यह "गुप्त" संदेश दानिय्येल के दूसरे अध्याय का है।

रविवार के कानून के फरमान से ठीक पहले, जो दानिय्येल अध्याय तीन में नबूकदनेस्सर की स्वर्ण-प्रतिमा की परीक्षा के तुल्य है, मृतक जाग उठते हैं और एक शक्तिशाली सेना में रूपांतरित हो जाते हैं, ताकि उस संदेश की घोषणा करें जो कलीसिया और राज्य के गठजोड़ के गठन की पहचान करता है और उसका विरोध करता है, और साथ ही यह भी बताता है कि इस्लाम वह दैवीय साधन है जिसका उपयोग परमेश्वर उन पर अपना न्याय करने के लिए करता है जो रविवार की उपासना थोपते हैं, जैसा कि वह अतीत में कर चुका है। यह संदेश बताता है कि जब प्रतिमा पूर्णतः विकसित हो जाएगी और वह पशु का चिह्न लागू करेगी, तब न्याय दिया जाएगा।

दानिय्येल के तीसरे अध्याय में उस पशु की प्रतिमा का कोई सीधा संदर्भ नहीं है, जो रविवार के कानून तक ले जाती है और उसी पर अपनी परिपक्वता को प्राप्त करती है; परन्तु पहला और दूसरा संदेश हुए बिना तीसरा संदेश हो ही नहीं सकता, क्योंकि दानिय्येल के तीसरे अध्याय में प्रस्तुत सत्यों के उद्घाटन में दानिय्येल का दूसरा अध्याय अवश्य सम्मिलित होना चाहिए। दूसरे अध्याय की प्रतिमा के स्वप्न का "भेद" परमेश्वर की उस प्रजा को चिन्हित करता है जो नबूकदनेस्सर की पशु-प्रतिमा के जीवन-मृत्यु से जुड़े निहितार्थों को पहचानने लगती है।

पवित्र तर्क यह मांग करता है कि जब नबूकदनेस्सर ने अपनी सोने की मूर्ति का समर्पण समारोह करने का निश्चय किया, तो पहले उस मूर्ति का निर्माण होना आवश्यक था, और समारोह में जो संगीत बजाया जाना था उसके लिए वादकों को अभ्यास करना पड़ता। इसके लिए एक अवधि तक निर्माण की अग्रिम तैयारियाँ चलनी थीं—खुदाई, नींव डालना, मचान लगाना, और कामगारों का आना-जाना—और वही तैयारी नबूकदनेस्सर के स्वप्न की प्रतिमा का निर्माण थी; परन्तु नबूकदनेस्सर के अभिमान ने यह ठाना कि वह केवल एक ही पशु की प्रतिमा बनाएगा, न कि बाइबिल की भविष्यवाणी के सारे राज्यों की। उस प्रतिमा का निर्माण ही वह परीक्षा है जिसे परमेश्वर के लोगों को अनुग्रह का समय समाप्त होने से पहले, और उन पर मुहर लगने से पहले, संगीत बजने से पहले, उत्तीर्ण करना होगा।

पवित्र तर्क यह भी इंगित करता है कि Shadrach, Meshach और Abednego ही वे अकेले इब्रानी दास नहीं थे, जिन्होंने स्वर्ण प्रतिमा के समर्पण के लिए की जा रही पूर्व-तैयारियाँ देखी थीं। वे केवल ऐसे इब्रानी थे जिन्होंने उन तैयारियों के निहितार्थों को जीवित-मृत्यु की चेतावनी के रूप में समझा, और आने वाले संकट के लिए अपनी व्यक्तिगत तैयारी कर ली।

इस लेख की शुरुआत में सिस्टर वाइट के उद्धरण में वह न केवल सपन्याह के फ़रमान का नबूकदनेस्सर की सोने की प्रतिमा और रविवार के कानून से मेल बिठाती है, बल्कि वह यशायाह के अन्यायपूर्ण फ़रमान की भी पहचान करती है।

हाय उन पर जो अन्यायी फ़रमान जारी करते हैं, और जो अपने ठहराए हुए अत्याचार लिखते हैं; ताकि वे निर्धनों को न्याय से वंचित करें, और मेरे लोगों के गरीबों का अधिकार छीन लें, कि विधवाएँ उनका शिकार बनें, और वे अनाथों को लूट लें! और दण्ड के दिन तुम क्या करोगे, और उस विनाश के समय जो दूर से आने वाला है? सहायता के लिए तुम किसके पास भागोगे? और अपनी महिमा कहाँ छोड़ोगे? यशायाह 10:1-3.

यशायाह का "अन्यायपूर्ण फ़रमान" रविवार का कानून है, और यह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए "दण्ड का दिन" और "विनाश" है, क्योंकि "राष्ट्रीय धर्मत्याग" के बाद "राष्ट्रीय विनाश" आता है। यशायाह के अनुसार, रविवार के

कानून के समय, जो नबूकदनेस्सर की स्वर्ण प्रतिमा भी है, यह "विनाश" "दूर से आएगा"।

इसे स्मरण करो, और स्वयं को पुरुष सिद्ध करो; इसे फिर से मन में लाओ, हे अपराधियों। प्राचीन काल की पुरानी बातों को स्मरण करो; क्योंकि मैं ही परमेश्वर हूँ, और मेरे सिवा कोई नहीं; मैं परमेश्वर हूँ, और मेरे समान कोई नहीं, जो आदि से ही अंत की घोषणा करता हूँ, और प्राचीन काल से उन बातों की जो अब तक नहीं हुईं, यह कहते हुए: मेरी युक्ति स्थिर रहेगी, और मैं अपनी सारी इच्छा पूरी करूँगा। मैं पूर्व से एक शिकारी पक्षी को बुलाता हूँ, दूर देश से उस पुरुष को जो मेरी युक्ति को पूरा करेगा; हाँ, मैंने यह कहा है, मैं इसे पूरा भी करूँगा; मैंने ठाना है, मैं इसे कर भी दिखाऊँगा। मेरी सुनो, हे दृढ़हृदय लोगों, जो धर्म से दूर हो; मैं अपनी धार्मिकता को निकट लाता हूँ: वह दूर न रहेगी, और मेरा उद्धार विलंब न करेगा; और मैं सिय्योन में उद्धार ठहराऊँगा, जो इस्राएल के लिए मेरी महिमा होगा। यशायाह 46:8-13।

यशायाह इस खंड को विलंब के समय के अंत में रखता है, क्योंकि तब उसका "उद्धार" अब और "ठहरेगा" नहीं। यह प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह के साढ़े तीन दिनों के अंत में है। विलंब के समय का अंत "मध्यरात्रि की पुकार" के संदेश के आगमन से चिन्हित होता है, जब यहजेकेल की महान सेना उठ खड़ी होती है। जब वे खड़े होते हैं, तो प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह में उन्हें ध्वज के समान ऊँचा उठाया जाता है।

और साढ़े तीन दिनों के बाद परमेश्वर की ओर से जीवन की आत्मा उनमें प्रवेश कर गया, और वे अपने पैरों पर खड़े हो गए; और जिन्होंने उन्हें देखा उन पर बड़ा भय छा गया। और उन्होंने स्वर्ग से एक बड़ी आवाज़ सुनी जो उनसे कहती थी, "इधर ऊपर आओ।" और वे बादल में होकर स्वर्ग में चढ़ गए; और उनके शत्रुओं ने उन्हें देखा। और उसी घड़ी एक बड़ा भूकंप आया, और नगर का दसवां भाग गिर पड़ा, और उस भूकंप में सात हज़ार मनुष्य मारे गए; और शेष बचे भयभीत हुए, और स्वर्ग के परमेश्वर की महिमा की। दूसरी हाय बीत गई; देखो, तीसरी हाय शीघ्र आती है। प्रकाशितवाक्य 11:11-14.

प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह के दो गवाह एक पताका के समान स्वर्ग में ऊपर उठते हैं, उसी घड़ी जब भूकंप आता है, जो कि रविवार का कानून है। उस समय, या जैसा कि यूहन्ना कहता है, 'उसी घड़ी,' यशायाह अध्याय छियालिस के अनुसार, परमेश्वर उस 'पुरुष' को बुलाता है जो उसके परामर्श को कार्यान्वित करता है, जो 'पूर्व से आने वाला एक शिकारी पक्षी' भी है। वह शिकारी पक्षी, अर्थात् वह 'पुरुष' जिसे परमेश्वर अपने परामर्श को पूरा कराने के लिए उपयोग करता है, 'दूर देश' से आता है। यशायाह अध्याय दस में, 'अधर्मपूर्ण अध्यादेश' के समय, जो कि रविवार का कानून है, संयुक्त राज्य अमेरिका का 'उजाड़' 'दूर' से आता है। 'पूर्व' इस्लाम का प्रतीक है, क्योंकि भविष्यवाणी में वे 'पूर्व के पुत्र' और 'पूर्वी पवन' दोनों हैं। भविष्यवाणी में 'पक्षी' एक धर्म का प्रतीक है, जैसा कि बाबुल के बारे में कहा गया है कि वह घृणित और अशुद्ध पक्षियों से भरा एक पिंजरा है। 'पूर्व में दूर देश से आने वाला' 'शिकारी पक्षी' इस्लाम धर्म है।

और उसने बड़े बल के साथ ऊँचे स्वर में पुकारकर कहा, "महान बाबुल गिर गया है, गिर गया है, और दुष्टात्माओं का निवासस्थान, हर एक अशुद्ध आत्मा का कारागार, और हर एक अशुद्ध और घृणित पक्षी का पिंजरा बन गया है।" प्रकाशितवाक्य 18:2.

आधुनिक बाबुल की त्रिविध एकता शासन के तीन रूपों का, और साथ ही धर्म के तीन रूपों का प्रतिनिधित्व करती है। संयुक्त राष्ट्र का धर्म आत्मवाद है, संयुक्त राज्य अमेरिका का धर्म पतनशील प्रोटेस्टेंटवाद है और पोप का धर्म कैथोलिक धर्म है। इन सभी धार्मिक मतों को कभी-कभी स्त्रियों के रूप में, और पक्षियों के रूप में भी प्रतीकित किया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका को प्रधान राजा बनाकर, संयुक्त राष्ट्र की यही धार्मिक और राजनीतिक शक्ति पापाई सत्ता को पृथ्वी के सिंहासन पर बिठाती है। जकर्याह की पुस्तक में, दो पक्षी हैं जो पोप को स्थापित करते हैं, जिसे प्रेरित पौलुस ने दूसरी थिस्सलुनीकियों में उस "दुष्ट" के रूप में पहचाना है।

तब वह स्वर्गदूत जो मुझ से बातें कर रहा था, आगे बढ़ा और मुझ से कहा, अब अपनी आँखें उठाकर देख, यह क्या है जो निकल रहा है। मैंने कहा, यह क्या है? उसने कहा, यह एक एपा है जो निकल रहा है। फिर उसने कहा,

यह सारी पृथ्वी में उनका स्वरूप है। और देखो, सीसे का एक तलन्त उठाया गया; और यह एक स्त्री है जो एपा के बीच बैठी है। उसने कहा, यह दुष्टता है। तब उसने उसे एपा के बीच में डाल दिया; और उसके मुँह पर सीसे का भार रख दिया। तब मैंने अपनी आँखें उठाई और देखा, कि दो स्त्रियाँ निकलीं, और उनके पंखों में हवा थी; क्योंकि उनके पंख सारस के पंखों के समान थे; और उन्होंने एपा को पृथ्वी और आकाश के बीच उठा लिया। तब मैंने उस स्वर्गदूत से जो मुझ से बातें कर रहा था, पूछा, ये एपा को कहाँ ले जा रही हैं? उसने मुझ से कहा, शिनार देश में उसके लिए एक घर बनाने को; और जब वह स्थापित हो जाएगा, तब उसे वहाँ उसके अपने आधार पर रखा जाएगा। जकर्याह 5:5-11.

एपा मापने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक टोकरी है। वे दो स्त्रियाँ जो एपा—अर्थात वह टोकरी जिसके मध्य में पापाई सत्ता बैठी है—को स्थान देती हैं, दो कलीसियाएँ हैं। दो धर्म उस धर्म को, जिसे बाइबल में "वह दुष्टा" कहा गया है, लेकर शिनार देश में उसके लिए एक घर बनाएँगे। शिनार बाबुल का एक और नाम है, और अंतिम दिनों में कैथोलिक कलीसिया महान बाबुल है।

वे दो स्त्रियाँ जो बाबुल में उस दुष्ट स्त्री को 'स्थापित' करती हैं, उनके 'पंखों में हवा' है। वे स्त्रियाँ भी पक्षी हैं, क्योंकि उनके 'पंख' हैं, और उस स्त्री को स्थान देने का उनका औचित्य इस्लाम की 'हवा' है, क्योंकि इस्लाम सबके हाथों को एक कर देता है। जिसे ऊपर उठाया जाता है, वह स्त्री 1798 में लगे अपने घातक घाव के बाद से एपा में फँसी हुई थी, क्योंकि जिस एपा में वह थी उसके मुँह पर सीसे का एक ढक्कन रखा गया था। परन्तु जब नबूकदनेस्सर के उपासना समारोह का संगीत आरम्भ होता है, तब धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद और आत्मवाद की वे दो स्त्रियाँ उस सीसे के ढक्कन को हटा देती हैं, और उस आठवें सिर को उठा देती हैं, जो सात में से है।

“ज्यों-ज्यों हम अंतिम संकट के समीप आते हैं, यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रभु के कार्य-साधनों के बीच सामंजस्य और एकता विद्यमान रहे। संसार आँधियों, युद्ध और वैमनस्य से भरा हुआ है। तथापि एक ही प्रधान—पापसी सत्ता—के अधीन लोग उसके साक्षियों के व्यक्तित्व में स्वयं परमेश्वर का विरोध करने के लिए एक हो जाएँगे। यह एकता महाधर्मत्यागी द्वारा सुदृढ़ की जाती है। जब वह सत्य के विरुद्ध युद्ध करने में अपने प्रतिनिधियों को एक करने का प्रयत्न करेगा, तब वह सत्य के समर्थकों को विभाजित और तितर-बितर करने के लिए भी कार्य करेगा। कलह और फूट उत्पन्न करने के लिए ईर्ष्या, कुसंशय, और अपवाद उसी के द्वारा उकसाए जाते हैं।” Testimonies, volume 7, 182.

त्रिविध संघ पापाई सत्ता को प्रमुख के रूप में स्थापित करता है, क्योंकि वे उस अनचाहे राष्ट्र को नष्ट करने का इरादा रखते हैं।

क्योंकि देखो, तेरे शत्रु कोलाहल मचा रहे हैं; और जो तुझसे बैर रखते हैं, उन्होंने सिर उठा लिया है। उन्होंने तेरे लोगों के विरुद्ध धूर्त परामर्श किया है, और तेरे छिपाए हुए जनों के विरुद्ध विचार-विमर्श किया है। उन्होंने कहा है, आओ, हम उन्हें जाति होने से मिटा दें, ताकि इस्राएल का नाम फिर स्मरण में न रहे। भजन संहिता 83:2-4.

एक पक्षी एक धर्म है, और 'पूर्व से आने वाला शिकारी पक्षी' जिसे परमेश्वर 'रविवार के कानून' की 'घड़ी' में, जब 'आधी रात की पुकार' का संदेश सुनाया जा रहा होता है, बुलाता है, वह इस्लाम है। इसी कारण उसी घड़ी जब पुनरुत्थित मृतक ध्वज के रूप में स्वर्ग में चढ़ते हैं, इस्लाम की 'तीसरी विपत्ति' शीघ्र आ जाती है। यही कारण है कि यशायाह अध्याय दस के पद एक में कहता है, 'हाय' उन पर जो अधर्मपूर्ण फ़रमान घोषित करते हैं। 'प्रकाशितवाक्य' की 'विपत्तियाँ' इस्लाम हैं, और इस्लाम वह ईश्वरीय न्याय, या साधन, या डंडा (यशायाह 10:5) है, जिसका उपयोग परमेश्वर संयुक्त राज्य अमेरिका को रविवार की उपासना लागू करने के लिए दंडित करने में करता है।

यशायाह अध्याय छियालिस, “पूर्व से आने वाले शिकारी पक्षी” की पहचान “मेरी युक्ति को पूरा करने वाले मनुष्य” के रूप में करता है। वह “मनुष्य” इस्लाम है, और उसे “दूर देश से” कहा गया है, क्योंकि परमेश्वर ने “निश्चय” किया कि वह रविवार लागू कराने के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका का, और उसके बाद संसार का न्याय करेगा, जैसा उसने पूर्व के समय में मूर्तिपूजक रोम और पहली चार तुरहियों के साथ किया, और फिर पापल रोम के साथ पाँचवीं और

छठी "हाय" तुरहियों में किया। यशायाह अध्याय छियालिस में उसका उद्देश्य "पूर्व से आने वाले शिकारी पक्षी" को बुलाना है, और वह अपने उन लोगों को, जो उसकी युक्ति और उद्देश्य को समझना चाहते हैं, यह बताता है: "पुराने समय की बातों को स्मरण करो: क्योंकि मैं ही परमेश्वर हूँ, और मेरे सिवाय कोई नहीं; मैं ही परमेश्वर हूँ, और मेरे तुल्य कोई नहीं; जो आदि से अंत की, और प्राचीन काल से वे बातें जो अभी तक नहीं हुईं, घोषित करता हूँ, यह कहते हुए कि मेरी युक्ति स्थिर रहेगी, और मैं अपनी सारी इच्छा पूरी करूँगा।"

यशायाह की पुस्तक के दसवें अध्याय के तीसरे पद में, यशायाह तीन महत्वपूर्ण प्रश्न लिखता है:

और दण्ड देने के दिन, और उस विपत्ति में जो दूर से आएगी, तुम क्या करोगे? सहायता के लिए तुम किसके पास भागोगे? और अपनी महिमा कहाँ छोड़ जाओगे? यशायाह 10:3.

अंतिम प्रश्न इंगित करता है कि महिमामय भूमि अधर्मपूर्ण फ़रमान के समय अपनी महिमा खो देती है। संयुक्त राज्य अमेरिका की महिमा उसका संविधान है, जो रविवार के कानून के समय पूर्णतः उलट दिया जाता है।

और संविधान जनता को स्वशासन का अधिकार सुनिश्चित करता है, यह प्रावधान करते हुए कि लोक-मतदान द्वारा चुने गए प्रतिनिधि कानून बनाएँगे और उनका प्रशासन करेंगे। धार्मिक आस्था की स्वतंत्रता भी प्रदान की गई, प्रत्येक व्यक्ति को अपनी अंतरात्मा के निर्देशानुसार ईश्वर की उपासना करने की अनुमति थी। गणतंत्रवाद और प्रोटेस्टेंटवाद राष्ट्र के मूलभूत सिद्धांत बन गए। ये सिद्धांत उसकी शक्ति और समृद्धि का रहस्य हैं। द ग्रेट कॉन्ट्रोवर्सी, 441.

वही संविधान है जो रविवार के कानून के तहत धूल में छोड़ दिए गए गौरव को पहचानता है।

जब वह राष्ट्र, जिसके लिए परमेश्वर ने इतनी अद्भुत रीति से कार्य किया है और जिस पर उसने अपनी सर्वशक्तिमत्ता की ढाल फैला दी है, प्रोटेस्टेंट सिद्धांतों को त्याग देता है, और अपने विधानमंडल के द्वारा धार्मिक स्वतंत्रता को सीमित करने में रोमनवाद को अनुमोदन और समर्थन देता है, तब परमेश्वर अपने सच्चे लोगों के लिए अपनी ही शक्ति से कार्य करेगा। रोम का अत्याचार चलेगा, पर मसीह हमारा शरणस्थान है। टेस्टिमोनियज़ टू मिनिस्टर्स, 206.

यशायाह के 'अन्यायपूर्ण फ़रमान', जो कि रविवार का कानून है, पर संयुक्त राज्य की महिमा समाप्त हो जाती है, और जैसे ही वह भविष्यसूचक रूप से सहायता के लिए संयुक्त राष्ट्र—अर्थात् प्रकाशितवाक्य अध्याय सत्रह के दस-राजाओं के संघ—की ओर भागता है, वह यशायाह के दूसरे प्रश्न का तत्काल उत्तर दे देता है, ताकि तीसरे 'हाय' में इस्लाम के आक्रमण से निपटा जा सके। तीन प्रश्नों में से पहला रविवार के कानून के कारण होने वाली उजाड़ की पृष्ठभूमि की पहचान करता है, जो संयुक्त राज्य को अपना अगला कार्य आरम्भ करने के लिए प्रेरित करती है: सारे संसार को कलीसिया और राज्य के मेल को स्वीकार करने के लिए बलपूर्वक बाध्य करना, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र और कैथोलिक कलीसिया के एकीकरण द्वारा प्रदर्शित है, जिसमें इस अपवित्र संबंध पर पोप का नियंत्रण होता है। वह उस उजाड़ को 'भेंट का दिन' कहता है। ये सभी भविष्यसूचक वास्तविकताएँ नबूकदनेस्सर के स्वर्ण प्रतिमा समर्पण समारोह के साथ मेल खाती हैं।

हम अगले लेख में डैनियल के तीसरे अध्याय को जारी रखेंगे।

"नबूकदनेस्सर और बेलशज्जर के इतिहास के माध्यम से परमेश्वर आज के लोगों से बोलते हैं। आज के समय में पृथ्वी के निवासियों पर जो दंड आएगा, वह उनके प्रकाश को अस्वीकार करने के कारण होगा। न्याय में हमारा दोषी ठहराया जाना इस कारण से नहीं होगा कि हम त्रुटि में जीए हैं, बल्कि इसलिए होगा कि हमने सत्य को खोजने के लिए स्वर्ग-प्रेषित अवसरों की उपेक्षा की है। सत्य से भली-भांति परिचित होने के साधन सबकी पहुँच में हैं; परन्तु उस भोगी, स्वार्थी राजा की तरह, हम उन बातों पर अधिक ध्यान देते हैं जो कानों को लुभाती हैं, आँखों को भाती हैं, और रसना को तुष्ट करती हैं, उन बातों की अपेक्षा जो बुद्धि को समृद्ध करती हैं, सत्य के दिव्य खजाने। इसी सत्य के द्वारा हम उस महान प्रश्न का उत्तर दे सकते हैं, 'उद्धार पाने के लिए मुझे क्या करना

चाहिए?" बाइबल इको, 17 सितंबर, 1894.